जातीय अल्पसंख्यकों पर हांगकांग की गरीबी स्थिति रिपोर्ट 2016

कार्यकारी सारांश

हांगकांग
विशेष प्रशासनिक क्षेत्र
की सरकार

Economic Analysis Division
Economic Analysis and Business Facilitation Unit
Financial Secretary's Office

Census and Statistics Department

फरवरी 2018

यदि इस कार्यकारी सारांश के अंग्रेजी संस्करण और हिंदी संस्करण में कोई असंगति या अनेकार्थता होती है, तो अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा!

If there is any inconsistency or ambiguity between the English version and the Hindi version of this Executive Summary, the English version shall prevail.

कार्यकारी सारांश

ES.1 एशिया में विश्व शहर होने के नाते, विभिन्न जातीय मूल के लोग हांगकांग में आकर काम करने और यहां बसने के प्रति आकर्षित रहते हैं। उनमें से कुछ लोगों को समुदाय के अनुसार ढलने और घुल-मिल जाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, और सहायता की आवश्यकता वाला अधिक सुविधाहीन समूह माना जा सकता है। सरकार और गरीबी संबंधी आयोग (Cop) जातीय अल्पसंख्यकों (EMs) सहित सुविधाहीन लोगों के कल्याण को अत्यधिक महत्व देते हैं। वे लोग स्वयं को हांगकांग की जीवनशैली के अनुसार ढाल सकें, आत्म निर्भरता प्राप्त कर सकें, और सामाजिक स्तर पर आगे बढ़ सकें, इन कार्यों में उनकी सहायता के लिए विभिन्न उपाय किए गये हैं। ये कार्य गरीबी की रोकथाम और उसे दूर करने के लक्ष्यों के अनुरूप हैं।

ES.2 सरकार द्वारा *जातीय अल्पसंख्यकों पर हांगकांग की गरीबी स्थिति रिपोर्ट 2014* को 2015 के अंत में जारी किया गया, जिसमें जातीय अल्पसंख्यकों (EMs) में गरीबी की स्थिति का विस्तार से विश्लेषण किया गया है।जनसंख्या और सांख्यिकी विभाग (C&SD) द्वारा की गई 2016 में आबादी की जनगणना के नवीनतम निष्कर्षों के अनुसार तथा गरीबी रेखा और इसके विश्लेषणात्मक फ्रेमवर्क के आधार पर, रिपोर्ट में जातीय अल्पसंख्यकों से संबंधित प्रमुख गरीबी आंकड़ों की नवीनतम जानकारी दी गई है ताकि उनकी गरीबी की स्थिति के संबंध में निरन्तर निगरानी को सुगम बनाया जा सके।

हांगकांग में 2016 में जातीय अल्पसंख्यकों का विवरण (ओवरव्यू)

ES.3 2016 में, हांगकांग की कुल जनसंख्या में चीनी जातीयता के व्यक्ति बहुसंख्यक[i] (91.9%)थे, जबकि शेष आबादी में जातीय अल्पसंख्यक[ii] (EMs), जिसमें विदेशी घरेलू सहायकों समेत (FDHs) 8.1% या 575 400 व्यक्ति थे। इन जातीय अल्पसंख्यक लोगों (EMs) में से आधे से अधिक विदेशी घरेलू सहायक (FDHs) (55.7% या 320 700 व्यक्ति), थे, जो मुख्य तौर पर फिलीपीन्स और इंडोनेशिया से आए थे।

ES.4 **विदेशी घरेलू सहायकों** (FDHs)[iii] **को बाहर रखने के बाद, वर्ष** 2016 **में हांगकांग में जातीय अल्पसंख्यकों की आबादी** 254 700 **थी,जो कुल जनसंख्या का** 3.8% **है (जिसमें विदेशी घरेलू सहायक-**FDHs **शामिल नहीं हैं)। इंडोनेशियाई और फिलिपिनों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है, जो कि इससे पहले जातीय अल्पसंख्यकों** (EMs) **में बहुसंख्यक लोग हुआ करते थे। इसके स्थान पर, दक्षिण एशियाई** (SAs)[iv] **सबसे बड़ा जातीय समूह है, जिसमें जातीय अल्पसंख्यक** (EM) **जनसंख्या में** 78,000 **व्यक्ति या**

[i] जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया गया हो, इस रिपोर्ट के विश्लेषण में हांगकांग की समग्र जनसंख्या का आशय घरेलू परिवारों में समग्र भू-आधारित जनसंख्या से है।

[ii] सांख्यिकीय सर्वेक्षण में, उत्तरदाता की जातीयता स्व-पहचान द्वारा निर्धारित की जाती है। जातीयता के वर्गीकरण का निर्धारण सांस्कृतिक मूल, राष्ट्रीयता, त्वचा का रंग और भाषा जैसी संकल्पनाओं के संदर्भ में किया जाता है। क्योंकि हांगकांग मुख्य रूप से चीनी समुदाय है, "जातीय अल्सख्यकों" का आशय गैर-चीनियों से है।

[iii] **जबतक अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया गया हो, विदेशी घरेलू सहायकों** (FDHs) **को इस रिपोर्ट के आंकड़ों से बाहर रखा गया है।**

[iv] संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग द्वारा अपनाए गए प्रदेशों के वर्गीकरण के अनुसार एस ए (दक्षिण एशियाई) देशों में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, बंग्लादेश, श्री लंका, अफगानिस्तान, भूटान, इरान और मालद्वीप शामिल हैं। आंकड़ों के संग्रहण की सीमाओं के कारण, हमारे सर्वेक्षण में केवल पहले पांच जातीय समूहों का ब्यौरा शामिल है।

लगभग 30% (30.6%) **लोग हैं**, **जिसके बाद मिश्रित लोग हैं** (58,500 **लोग या** 23.0%) **और श्वेत** (55,900 या 21.9%) लोग हैं। जातीय अल्पसंख्यक (EM) 123, 300 जातीय अल्पसंख्यक (EM) परिवारों में रहते थे[v], जो समस्त घरेलू परिवारों का 4.9% हैं।

ES.5 जातीय अल्पसंख्यक (EM) आबादी का 2011 से 2016 के बीच के पांच वर्षों के दौरान तेजी से बढ़ना जारी रहा जिसकी औसत वार्षिक दर 5.8% थी, जो कि हांगकांग की समस्त जनसंख्या की 0.5% की वृद्धि दर से बहुत तीव्र थी। प्रमुख जातीय समूहों में से दक्षिण एशियाई-SAs (यानि भारतीय और नेपाली) व्यक्तियों की आबादी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और मिश्रित[vi]आबादी की वृद्धि भी उल्लेखनीय थी। सापेक्षिक रूप से छोटी आबादी के साथ इंडोनेशियाई और फिलिपिनों मूल के लोगों की आबादी में भी उल्लेखनीय औसत जनसंख्या वृद्धि देखी गई। इस प्रकार की तीव्र वृद्धि के परिणाम स्वरूप, कुल जनसंख्या में जातीय अल्पसंख्यकों (EMs) का हिस्सा 2011 में 2.9% की तुलना में 2016 में बढ़कर 3.8% हो गया।

ES.6 जातीय अल्पसंख्यक (EMs) हांगकांग में बस चुके थे और उनमें से कुछ का जन्म और लालन पालन स्थानीय रुप से हुआ था। वे हमारे समाज का हिस्सा बन चुके हैं। जातीय अल्पसंख्यकों द्वारा सापेक्षिक रूप से स्पष्ट जनसांख्कीय और सामाजिक-आर्थिक गुणों को परिलक्षित किया गया है, जो विभिन्न जातीय समूहों में बहुत अधिक भिन्न-भिन्न हैं। इस प्रकार के विचलन, प्रत्येक समूह से संबंधित गरीबी ज़ोखिमों से समीपवर्ती रुप से जुड़े हैं।

ES.7 जनसांख्यिकी और सामाजिक विशेषताओं के संदर्भ में, 2016 के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि हांगकांग में बढ़ती उम्र वाले लोगों की तुलना में जातीय अल्पसंख्यकों (EMs) की आबादी सापेक्षिक रूप से युवा है। दक्षिण एशियाई (SAs) लोगों के संदर्भ में यह अधिक उल्लेखनीय था। इसके अलावा, थाईलैंडवासी, इंडोनेशियाई और फिलिपिनों मुख्य रूप से महिलाएं थीं, फिर भी हाल के वर्षों में थाई और इंडोनेशियाई लोगों में वृद्धों (65 और उससे अधिक उम्र के लोग) की आबादी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।क्योंकि दक्षिण एशियाई (SA) परिवार[vii]अधिकतर बड़े परिवार थे क्योंकि उनके बड़ी संख्या में बच्चे रहते थे, एसए परिवारों का औसत आकार 3.0 व्यक्ति था, जो कि सभी जातीय अल्पसंख्यक (EM) परिवारों और समग्र परिवारों (दोनों 2.7 व्यक्ति थे) की तुलना में बड़ा था और पाकिस्तानी और नेपाली परिवार (क्रमशः 3.9 और 3.2 व्यक्ति) और भी बड़े थे।

---

[v]EM परिवार का तात्पर्य कम से कम एक EM सदस्य वाला परिवार है। जरूरी नहीं कि सभी परिवार सदस्य EMs हों।

[vi] "मिश्रित"को C&SD'sसर्वेक्षणों में अलग जातीय समूह के रुप में वर्गीकृत किया गया है।2016 आबादी के अनुसार जनसंख्या के लिए प्रश्नावली डिज़ाइन का संवर्धन किया गया था ताकि उत्तरदाताओं के लिए एकाधिक जातीयताओं के बारे में जानकारी देना आसान बनाया जा सके।इस प्रकार, 2016 में "मिश्रित" से संबंधित आंकड़ों की तुलना पिछले वर्षों से करते समय विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

[vii]एक सरलम और अधिक केन्द्रित विश्लेषणों को सुगम बनाने के लिए, परिवार-आधारित विशेष जातीयता समूह का विश्लेषण किया जाया है, जो एकल जातीयता के परिवारों पर आधारित हैं।

ES.8 **शिक्षा प्राप्ति के संबंध में, जातीय अल्पसंख्यकों** (EMs) **में इस संबंध में स्पष्ट अंतर था। श्वेत, जापानी और कोरियाई और भारतीयों में अधिक शिक्षित होने का रूझान था, जबकि पाकिस्तानी, नेपाली, थाई और इंडोनेशियाई लोगों में से जिन्होंने सेकण्डरी-उपरांत शिक्षा प्राप्त की है, उनका अनुपात निम्न था। इसके अलावा,**19-24 **वर्ष के जातीय अल्पसंख्यकों** (EMs) **में स्कूल उपस्थिति दर**[viii] **क्षेत्रीय औसत आंकड़ों की तुलना में आमतौर पर निम्न थी, हालांकि** 2011-2016 **के बीच कुछ जातीय समूहों में सुधार का अवलोकन किया गया था। तथापि नेपाली युवाओं की स्कूल** उपस्थिति दर केवल 13.8% थी, जो कि उच्चतर शैक्षणिक प्राप्ति के संदर्भ में दक्षिण एशियाई (SA) युवाओं में कम वांछनीय स्थिति को दर्शाता है।

ES.9 इसी प्रकार, जातीय अल्पसंख्यक (EM) समूहों में आर्थिक विशेषताओं के संबंध में उल्लेखनीय अंतर देखे गए थे। 2016 के आंकड़ों के संबंध में मुख्य अवलोकन निम्नानुसार हैं:

(i) **श्रम बल भागीदारी के विविध स्तर**: खास तौर पर बड़ी उम्र के लोगों के बीच, समग्र पुरुष औसत की तुलना में जातीय अल्पसंख्यकों (EMs) का श्रम बल भागीदारी दर (LFPRs) आमतौर पर उच्च थी। इसी दौरान, हाल के वर्षों में कुछ तेजी के बावजूद श्रम बाजार में भागीदारी करने वाली पाकिस्तानी महिलाओं का अनुपात अभी भी कम था। दूसरी ओर, नेपालियों में, फिर चाहे वे स्त्री हों या पुरुष, LFPR उच्च था, और यहां तक कि अनेक युवा नेपालियों द्वारा कार्यबल में शामिल होने के लिए स्कूल भी छोड़ दिए थे। इस बात पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि 2011 और 2016 के दौरान, कुछ जातीय समूहों, विशेष रुप से पाकिस्तानियों द्वारा उच्चतर LFPR दिखाया गया।

(ii) **पेशों के वितरण ने शैक्षणिक उपलब्धि (प्राप्ति) दर्शाया:** उच्च शिक्षित श्वेत, जापानी और कोरियाई तथा भारतीय मुख्य रूप से उच्चतर कौशल रखने वाले कामगार[ix] थे। इसकी तुलना में, अन्य दक्षिण एशियाई (SAs) और दक्षिण पूर्व एशियाई लोग मुख्य तौर पर प्राथमिक कार्यों में ही संलग्न थे। खास तौर पर, प्राथमिक कार्यों में पाकिस्तानियों, नेपालियों, थाई और इंडोनेशियाई लोगों का प्रतिशत 30% से अधिक था।

(iii) **रोजगार आय और घरेलू (पारिवारिक) आय में उल्लेखनीय अंतर**: श्वेत, जापानी और

[viii] स्कूल उपस्थिति दर का आशय जनसंख्या के उस प्रतिशत से है जो संबंधित आयु समूहों के भीतर पूर्ण कालिक शैक्षणिक संस्थानों में जाते हैं।

[ix] उच्चतर कौशल युक्त कामगारों में मैनेजर और प्रशासक, पेशेवर और सम्बद्ध पेशेवर शामिल थे।

कोरियाई तथा भारतीय लोगों द्वारा स्पष्ट रूप से उच्च आय के साथ श्रम बाजार में बेहतर उपलब्धि हासिल की गई। सापेक्षिक रूप से कहा जाए तो पाकिस्तानियों, नेपालियों, थाई और इंडोनेशियाई कार्यरत व्यक्तियों द्वारा कम आय अर्जित की गई। पारिवारिक आय के संबंध में, पाकिस्तानी, नेपाली, थाई और इंडोनेशियाई परिवारों की आय कम थी। इसके मूल कारणों की छानबीन से यह पता लगता है कि इन जातीय समूहों के कामगारों द्वारा सापेक्षिक रूप से निम्न रोजगार आय के अलावा, इस स्थिति के लिए आर्थिक रूप से सक्रिय परिवारों (अर्थात थाई और इंडोनेशियाई परिवार) का निम्न हिस्सा भी आंशिक रूप से इस स्थिति के लिए उत्तरदायी थी।

ES.10 **वर्ष** 2011 **और** 2016 **के बीच हांगकांग के आर्थिक विकास और साथ ही जनसंख्या वृद्धि और/या और जातीय अल्पसंख्यकों के उच्चतर** LFPRs **के साथ-साथ श्रम बाजार के सशक्त विकास के साथ-साथ रोजगार में लगे लोगों की संख्या और अग्रणी जातीय अल्पसंख्यक** (EMs) **समूहों के बीच कार्यशील परिवारों**[x] **में रहने वाली जनसंख्या के हिस्से में भी सामान्य रूप से महत्वपूर्ण रूप से बढ़ोतरी हुई थी।** इसके अलावा विभिन्न जातीय समूहों की मध्य श्रम आय 2011 और 2016 के बीच में उच्चतर थी, हालांकि यह समग्र आंकड़ों की तुलना में अधिकतर निम्न ही थी। फिर भी, जातीय अल्पसंख्यक (EM) जनसंख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही थी और बहुत अधिक सचल होने का कारण,संभावित रूप से श्रम संरचना में काफी अधिक परिवर्तन होने की संभावना है। जातीय समूहों में रोजगार आय वितरण में परिवर्तन अनेक कारकों के अधीन हैं, जिसमें श्रम के कौशल वितरण में परिवर्तन और कम अनुभव वाले नए श्रमिकों/नए प्रवास करने वाले कामगारों की संख्या में बढ़ोतरी शामिल है।

ES.11 कुल मिलाकर, हांगकांग में जातीय अल्पसंख्यकों (EM) में, सापेक्षिक रूप से जमीन से जुड़े अधिक परिवार दक्षिण एशियाई (SAs) और दक्षिण पूर्व एशियाई लोगों में देखे गए। दक्षिण एशियाई (SAs), जिनकी विशेषताएं बड़ी आबादी, तीव्र जनसंख्या विकास, बड़े परिवार हैं तथा उच्चतर बाल-निर्भरता हैं, वे ज़मीनी तौर पर जातीय अल्पसंख्यकों (EMs) में अधिक पाए गए थे।

2016 में जातीय अल्पसंख्यकों में गरीबी की स्थिति

ES.12 जातीय अल्पसंख्यकों (EMs) के बड़े गरीबी आंकड़ों को अपडेट करने के लिए जनसंख्या के अनुसार 2016 आबादी के डेटा पर गरीबी रेखा और इसके विश्लेषणात्मक फ्रेमवर्क को लागू करने से मिलने वाले निष्कर्ष यह बताते हैं कि 2016 में, **नीति हस्तक्षेप से पहले,** 19.4%की दर[xi] के साथ,

[x]कार्यशील परिवारों का आशय ऐसे घरेलू परिवारों से है जिनमें कम से कम एक व्यक्ति रोजगार करता है, जिसमें FDHs शामिल नहीं हैं। ऐसा आवश्यक नहीं है कि कार्यशील परिवारों में रहने वाला हर सदस्य आवश्यक रूप से रोजगार में लगा व्यक्ति नहीं है।

[xi]EMs की कुल संख्या में गरीब EMs का प्रतिशत हिस्सा।

22,400 निर्धन EM परिवार तथा 49,400 निर्धन जातीय अल्संख्यक (EM) थे। **नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त नकद)** के तदनुरूपी आंकड़ें कम थे, यानि क्रमश 19,500 परिवार, 44,700 व्यक्ति और 17.6% की दर थी ।

ES.13 2016 और 2011 के गरीबी संबंधित आंकड़ों से यह पता लगता है कि नीति हस्तक्षेप के पहले और बाद में EM गरीबी दर में वृद्धि देखी गई: **पूर्व हस्तक्षेप** गरीबी दर 15.8% से बढ़कर 19.4 % हो गई थी, जबकि **पश्च-हस्तक्षेप (पुनरावृत्त नकद)** गरीबी दर में 13.9% से 17.6% की वृद्धि हुई।गरीबी दरों में बढ़ोतरी के साथ और समग्र EM जनसंख्या और उनके परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, गरीब EM जनसंख्या और उनके परिवारों की संख्या में भी समान रूप से इस अवधि में नीति हस्तक्षेप से पहले और बाद में बढ़ोतरी हुई थी।

ES.14 **नीति हस्तक्षेप से पहले, जातीय समूह द्वारा गरीबी की स्थिति का विश्लेषण दर्शाता है कि** 2016 **में नीति हस्तक्षेप से पहले**, 49,400 **गरीब** Ems **में दक्षिण एशियाई** (SAs) **लोग** 40.6% **थे**, **जबकि पाकिस्तानियों का हिस्सा पाँचवा हिस्सा** (20.2%) **था।**

ES.15 SAs की हस्तक्षेप पूर्व गरीबी दर 25.7% पर सापेक्षिक रूप से अधिक थी। SAs के बीच में पाकिस्तानियों द्वारा 56.5%की उच्च गरीबी दर दर्ज की गई थी। इसके अलावा, थाई और इंडोनेशियाई लोगों की गरीबी दर, जिनकी छोटी गरीब जनसंख्या है, तुलनात्मक रूप से क्रमश: 26.5% तथा 35.4% पर उच्च थी, जबकि फिलिपिनों और मिश्रित लोगों की गरीबी दर क्रमश: 19.2% तथा 21.8% थी। दूसरी ओर, जापानियों, कोरियाई और श्वेत लोगों इत्यादि में गरीबी दर उच्च नहीं थी।

ES.16 2016 में अग्रणी जातीय समूहों में गरीबी की समीक्षा करने पर, एक ओर यह देखा गया कि गरीबी के जोखिम को कम करने में रोजगार प्रभावी है: कार्यशील परिवारों में रहने वाले जनसंख्या के उच्चतर हिस्से के साथ जातीय समूहों में स्पष्ट रूप से निम्नतर गरीबी रेखा को पंजीकृत किया गया। इसके अलावा, उच्च निर्भरता अनुपात से गरीबी का जोखिम बढ़ता है।परिवार की आर्थिक निर्भरता जितनी अधिक होगी, परिवार का भार भी उतना ही अधिक होगा, और आमतौर पर गरीबी दर भी उच्चतर होगी। ये निष्कर्ष *हांगकांग की गरीबी स्थिति रिपोर्ट* से मेल खाते हैं।

ES.17 दूसरी ओर, 2016 में गरीब EMs की खास विशेषताओं का और अधिक विश्लेषण (नीति हस्तक्षेप से पहले) दर्शाता है कि जातीय समूहों की गरीबी आबादी (जापानियों, कोरियाई और श्वेतों के अलावा) आमतौर पर कार्यशील परिवारों में रहती थी, जबकि

SA समूह अधिकांश रूप से बड़े परिवारों में रहते थे। हांगकांग की समग्र गरीबी स्थिति की तुलना में ये दो पहलू काफी अधिक विभेद रखते थे। विशिष्ट रूप से:

(i) **कार्यशील गरीबी सामान्य थी**: गरीब EMsमें से 64.7% कार्यशील परिवारों में रहते थे, जो आंकड़ा हांगकांग में समग्र गरीब जनसंख्या यानि 50.3% से उच्चतर था। यह SAs के मामले में अधिक उल्लेखनीय था, जिसमें गरीब पाकिस्तानियों और नेपालियों में से लगभग 80% लोग कार्यशील परिवारों में रहते थे; और

(ii) **अधिकांश बड़े परिवारों में रहते हैं:** गरीब EMs में से लगभ्ग आधे से अधिक (50.5%) 4 –व्यक्ति-और-अधिक परिवारों में रहते थे (हांगकांग में समग्र गरीब जनसंख्या का तदनुरूपी अनुपात केवल 34.4% ही था), जिसे अधिकांश तौर पर SAs में देखा गया था। गरीब SAs में लगभग 70%4 –व्यक्ति-और-अधिक परिवारों में रहते थे, विशेष रूप से पाकिस्तानियों के लिए जिसका प्रतिशत 85.9% जैसा उच्च था।

ES.18 2011 की तुलना में, पाकिस्तानियों के अलावा, जिनकी गरीबी दर 59.2% के उच्च स्तर से गिरकर 56.2% हो गई थी, 2016 में गरीबी दर (नीति हस्तक्षेप से पहले) में आम तौर पर सभी जातीय समूहों में बढ़ोतरी हुई थी। परिणामस्वरूप SAs समूहों की गरीबी दर 26.4%से कम होकर 25.7% हो गई थी। दूसरी ओर, इंडोनेशियाई लोगों की गरीबी दर उल्लेखनीय रूप से 27.8% से बढ़कर 35.4% हो गई थी।

ES.19 विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि अग्रणी जातीय समूहों की गरीब आबादी के आकार में पूर्व-हस्तक्षेप परिवर्तन कार्यकारी परिवारों में गरीब आबादी के बढ़ने के कारण हुई थी,जिसके अपवाद में जापानी, कोरियाई और श्वेत शामिल हैं। दूसरी ओर पाकिस्तानियों की गरीब आबादी में मुख्य रूप से कमी (600 व्यक्तियों की), 2011 से 2016 के बीच गैर-कार्यशील परिवारों में उनकी गरीब जनसंख्या में कमी के कारण हुई थी।

ES.20 EM की कार्यकारी गरीबी के कारणों की जांच करने से यह पता लगता है कि कार्यशील गरीबी को सापेक्षिक रूप से निम्न शैक्षणिक उपलब्धता और 2016 में नीति हस्तक्षेप से पहले कार्यशील गरीबों के कौशल स्तर, और साथ ही कतिपय जातीय समूहों (यानि भारतीयों) के कार्यशील गरीबों के हांगकांग में थोड़े समय के लिए ठहरने के परिणामस्वरूप उनकी निम्न रोजगार आय से जोड़ा जा सकता है।दक्षिण एशियाई कार्यरत लोगों की सीमित रोजगार आय जो कि अंश कालिक रूप से काम करने वाली उच्च जनसंख्या से प्रभावित हो रही है, इस संबंध में वह भी एक कारक है।दूसरी ओर, जातीय समूहों की गरीब जनसंख्या में, जैसे पाकिस्तानी और नेपाली, उनकी बेरोजदारी दर[xii] समग्र गरीब आबादी से जरा उच्च थी। यह अप्रत्यक्ष रूप, बेरोजगारी

[xii] जनसंख्या जनगणनाओं / उप-जनगणनाओं पर आधारित बेरोजगार व्यक्तियों के अनुमानों में सटीकता का कम स्तर होने की संभावना है। EMs में बेरोजगारी की स्थिति के विश्लेषण के लिए मान्य आधार के अभाव में, संबंधित बेरोजगारी आंकड़े केवल सामान्य संदर्भ के लिए ही हैं।

की वजह से इन जातीयसमूहों के गरीबी रेखा से नीचे आने की उच्चतर व्याप्ति को दर्शाता है।

ES.21 परिवार के वित्तीय भार के संदर्भ में कार्यशील गरीबी के कारणों का विश्लेषण करते हुए, निम्न रोजगार आय के अलावा, आगे यह पता लगा कि सभी जातीय परिवार समूहों में कार्यशील गरीब आमतौर पर अकेले ही परिवार के भार को वहन करते हैं। ऐसा विशेष रूप से SA समूहों के लिए सही था, जिसमें 2016 के आंकड़े बताते हैं कि उनके कार्यशील परिवारों में (नीति हस्तक्षेप से पूर्व) में औसतन 4.2 व्यक्तियों के आकार के परिवार की सहायता के लिए केवल 1.2 कार्यशील सदस्य थे, यानि प्रत्येक कार्यशील सदस्य को औसतन 2.6 गैर-कार्यशील सदस्य के भार को वहन करना था। उनके बीच में, पाकिस्तानी परिवारों की बहुत गंभीर स्थिति थी (प्रत्येक कार्यशील सदस्य को औसतन 3.5 परिवार सदस्यों के भार को वहन करना था।

ES.22 संक्षेप में कहें, तो हालांकि Ems ज्यादातर कार्यशील परिवारों में रहते थे, लेकिन आमतौर पर बड़े परिवारों के होने, कार्यरत व्यक्तियों की निम्न संख्या और निम्न आय के कारण उन्हें परिवारों के बहुत अधिक भार को वहन करना पड़ रहा था। इसलिए, सापेक्षिक रूप से उनके लिए, यहां तक कि इन आत्म-निर्भर परिवारों जिनमें कार्यशील सदस्य हैं, गरीबी से बाहर निकलना कठिन था, जिसके परिणामस्वरूप EMs के बीच कार्यशील गरीबी व्याप्त है।

ES.23 **इसके अलावा**, **कार्यशील गरीबी** Ems **की एक स्पष्ट गरीबी विशेषता थी**, 2016 **के आंकड़े कई जातीय समूहों में गरीब वृद्धों के उच्चतर हिस्से को भी दर्शाते हैं** (**नीति हस्तक्षेप से पहले**)**। यह खासतौर पर दक्षिण पूर्वी एशियाई लोगों जैसे थाई और इंडोनेशियाई लोगों में अधिक उल्लेखनीय है। क्योंकि अधिकांश वयोवृद्ध व्यक्ति आमतौर पर निष्क्रिय हो गए थे**, **जातीय समूहों में वयोवृद्ध लोगों के उच्चतर हिस्से के कारण भी संभवत**: **गरीबी रेखा पर आरोही प्रभाव हो सकता है।**

ES.24 **नीति हस्तक्षेप के बाद** EMs के गरीबी की स्थिति का विश्लेषण करने पर, 2016 के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि **नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त नकद),19,500**निर्धन EM परिवार, और 44,700 निर्धन EMs थे, जिनकी गरीबी दर 17.6% थी। सरकार के पुनरावृत्त नकद लाभों से 4,600 व्यक्ति गरीबी से बाहर आ गए हैं, और 1.8 प्रतिशत बिन्दुओं से गरीबी दर कम हुई है, जो कि 2011 की स्थिति से तुलनीय है (गरीबी दर में कमी 1.9 प्रतिशत बिन्दु थी)। इसी दौरान, 2016 में नीति हस्तक्षेप के बाद निर्धन EM परिवारों का औसत मासिक गरीबी अंतर $5,100 था, जो 2011 में पूर्व-हस्तक्षेप अंतराल की तुलना में$1,00 की कटौती थी। यह संभावित रूप से आत्मनिर्भर Ems की एक बड़ी संख्या और इस अवधि में सामाजिक लाभों पर निर्भर Ems के निम्न अनुपात

का संकेत करता है।

ES.25 पुनरावृत्त नकद नीतियों के अलावा, गैर-पुनरावृत्त नकद और वस्तु के रूप में लाभ (मुख्य रूप से सार्वजनिक किराया आवास (PRH)) से भी गरीब EMs के वित्तीय भार को कम करने में सहायता मिली है। विशिष्ट रूप से 2016 में नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त+ गैर-पुनरावृत्त नकदी) EMs की गरीबी दर 16.1% थी, जो कि पुनरावृत्त नकद हस्तक्षेप के बाद 1.5 प्रतिशत बिन्दुओं की ओर अधिक कमी थी। इसके अलावा, नीति हस्तक्षेप के बाद EMs की गरीबी दर (पुनरावृत्त नकद+ वस्तु) 2016 में 14.5% थी, जो पूर्व हस्तक्षेप आंकड़ों की तुलना में 4.9 प्रतिशत बिन्दुओं की महत्वपूर्ण कमी थी (3.1प्रतिशत बिन्दुओं की अतिरिक्त अधिक कटौती)

ES.26 नीति हस्तक्षेप की स्थिति से पूर्व के समान, 2016 में नीति हस्तक्षेप के बाद SAs की गरीबी दर, जातीयसमूहों में सापेक्षिक रूप से उच्च (23.0%) थी, जबकि गरीब जनसंख्या का उनका हिस्सा उच्चतम था (गरीब EM जनसंख्या का 40.1%हिस्सा)। इसके अलावा, थाई और इंडोनेशियाई लोगों की गरीबी दरें क्रमश:22.4 % और 33.2% पर काफी उच्च थीं, जबकि जापानियों, कोरियाई और श्वेत लोगों का गरीबी जोखिम लगभग नहीं था।

ES.27 जिन EMs ने मौटे तौर पर रोजगार के माध्यम से आत्म निर्भरता हासिल की,उनमें से कम ही संख्या सामाजिक कल्याण पर निर्भर थी। सामाजिक कल्याण विभाग (SWDs)के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि 2011 से 2016 के बीच में अग्रणी जातीय समूहों में सामाजिक सुरक्षा सहायता (CSSA) प्राप्तकर्ताओं की संख्या मे कमी दर्ज की गई। इसके अलावा, 2016 में EMs की पूर्व-हस्तक्षेप गरीबी आंकड़ों से यह कच्चा अनुमान लगाया गया कि निम्न आय कार्यशील परिवार भत्ता (LIFA) (जिसे 1 अप्रैल 2018 को कार्यशील परिवार भत्ता योजना का नाम दिया जाएगा) प्राप्त करने वाले अग्रणी जातीय समूहों में गरीब जनसंख्या का हिस्साऔर अग्रणी जातीय समूहों में गरीब वृद्धों द्वारा प्राप्त किए जाने वाला वृद्धवस्था जीवन यापन भत्ता (OALA)/ वृद्धावस्था भत्ता (OAA), समग्र गरीब जनसंख्या की तुलना में आमतौर पर निम्न था। एक प्रकार से, बड़े नकदी लाभों (जिसमें CSSA, सामाजिक सुरक्षा भत्ता (SSA)[xiii] और LIFA शामिल हैं) के गैर-प्राप्तकर्ताओं का हिस्सा 2011 तथा 2016 के बीच अग्रणी जातीय समूहों में आमतौर पर उच्चतर था, जिसके परिणामस्वरूप पुनरावृत्त नकद नीतियों के कारण गरीबी अंतर में उल्लेखनीय रूप से निम्न कमी हुई थी।

ES.28 फिर भी, उच्चतर गरीबी जोखिम वाले जातीय समूहों, जैसे पाकिस्तानियों, थाई, इंडोनेशियाई और फिलिपिनों द्वारा 2016 में पुनरावृत्त नकद हस्तक्षेप के बाद गरीबी दर

[xiii] सामाजिक सुरक्षा भत्तों में OALA, OAA और अशक्तता भत्ता शामिल है।

में उच्चतर कमियों को सूचित कियागया। नीति हस्तक्षेप से पहले 56.5% की तुलना में पाकिस्तानियों की गरीबी दर में महत्वपूर्ण रूप से कमी हुई जो 48.6% तक गिर गई, हालांकि सापेक्षिक रूप से यह अभी भी उच्च है।

ES.29 2016 में व्यक्तिगत नीति हस्तक्षेप उपायों की प्रभाविकता के बारे में कच्चे अनुमान के आधार पर, गरीबी उन्मूलन में CSSA सर्वाधिक प्रभावी बड़ा पुनरावृत्त नकदी लाभ था, जिसके द्वारा 3,700EMs को गरीबी से निकाला गया और इसके कारण 1.5 प्रतिशत बिन्दुओं तक गरीबी दर में कमी आई। इसके अलावा, SSA द्वारा भी 0.7 प्रतिशत बिन्दु द्वारा गरीबी रेखा को कम करने में सहायता प्राप्त हुई। LIFA द्वारा भी 0.3 प्रतिशत बिन्दु स्तर तक गरीबी दर को कम करना प्रभावी रहा। इसके अलावा, गैर- पुनरावृत्त नकद नीतियों और PRH के प्रावधान भी EMs में गरीबी की स्थिति के उन्मूलन में प्रभावी साबित हुए, जिसके द्वारा क्रमश:1.5[xiv] और 1.8 प्रतिशत बिन्दु स्तरों तक गरीबी दर में कमी हुई।

ES.30 ज़मीनी स्तर के EMs की स्थिति को SAs अधिक परिलक्षित करते हैं। नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त नकद) SAs की गरीबी की स्थिति के केन्द्रित विश्लेषण से यह पता लगता है कि 2016 में नीति हस्तक्षेप के बाद 23.0 % गरीबी दर के साथ 4,400 गरीब SA परिवार और 17,900 गरीब SAs थे।

ES.31 हस्तक्षेप से पहले और बाद में गरीबी आंकड़ों की तुलना करने पर, पुनरावृत्त नकदी लाभों द्वारा 2016 में 2,100 SAs को गरीबी से निकाला गया, और 2.7 प्रतिशत से गरीबी दर को कम किया गया। इसी दौरान, नीति हस्तक्षेप के बाद गरीब SA परिवारों का औसत मासिक गरीबी दर $4,700 थी, जो पूर्व-हस्तक्षेप अंतराल की तुलना में $1,500 की कटौती को दर्शाती है।

ES.32 गैर पुनरावृत्त नकद और वस्तु के रूप में लाभों की नीति हस्तक्षेपके बाद SAs की गरीबी की स्थिति में और अधिक सुधार हुआ: 2016 में, नीति हस्तक्षेप (पुनरावृत्त+ गैर पुनरावृत्त नकद) के बाद SAs की गरीबी दर में 20.9% तक कमी हुई और नीति हस्तक्षेप (पुनरावृत्त नकद + वस्तु) के बाद यह और अधिक कम होकर 18.0% तक हो गई।

ES.33 आयु द्वारा विश्लेषण करने पर, 2016 में नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त नकद) 18-64 वर्ष की आयु के बच्चे और वयस्क गरीबी SA जनसंख्या का मुख्य भाग देखे गए, जबकि निर्धन SA बुर्जुर्गों की संख्या सापेक्षिक रूप से कम थी। दूसरी ओर, SA **बच्चों की गरीबी दर 33.6 पहुंच गई, जो** कि सभी EM बच्चों से और साथ बुर्जुर्ग आयु के SAs **तथा** Ems **से** 23.4% अधिक थी। तथापि, SA तथा **सभी** Ems **बुजुर्गों की गरीबी दर (क्रमशः 23.1% तथा 25.9)संपूर्ण जनसंख्या (31.6%) से कम थी।**

ES.34 पुनरावृत्त नकद की नीति हस्तक्षेप के बाद, चुनिंदा सामाजिक-आर्थिक परिवार समूह द्वारा विश्लेषण किए जाने पर, अधिकांश गरीब SAs बच्चों वाले SA परिवारों से

[xiv] सभी पुनरावृत्त नकद नीतियों पर विचार करने के बाद अतिरिक्त गरीबी उन्मूलन प्रभाव।

संबंधित थे, जबकि कार्यशील परिवारों और बड़े परिवारों से गरीब SAs भी आम थे। गरीबी दरों के संदर्भ में, चुनिंदा सामाजिक-आर्थिक परिवार समूहों में SAs आमतौर पर सभी EMs के तद्नुरूपी आंकड़ों की तुलना में उच्चतर थे। उल्लेखनीय बात यह थी कि बच्चों वाले SA परिवारों की गरीबी दर (29.1%), बिना बच्चों (12.1%) की तुलना में लगभग 2.5 गुणा थी। इसके अलावा, परिवार के आकार के साथ गरीबी दर में बढ़ोतरी देखी गई: 1 से 2 व्यक्ति वाले SA परिवार में गरीबी दर केवल 9.9% थी, जबकि 5- व्यक्ति और उच्च SA परिवार में यह 29.4% तक पहुंच गई थी।

ES.35 दूसरी ओर, कार्यशील SA परिवार की गरीबी दर 19.0%, जो उल्लेखनीय रूप से आर्थिक रूप से निष्क्रिय परिवारों की 75.7% से कम थी, लेकिन सभी EM कार्यशील परिवारों की 13.0% दर से अभी भी उच्चतर थी। इसके अलावा, सभी गरीब EMs और SA अधिकांश तौर पर निजी या PRH किरायेदार थे।

ES.36 जिले के आधार पर और आगे किए गए विश्लेषण से यह पता लगता है कि कवाई टसिंग (Kwai Tsing) और शैम शुई पो (Sham Shui Po) में निर्धन SAs की बड़ी संख्या और उच्चतर गरीबी दरें देखी गईं; याऊ टिसिम मोंग (Yau Tsim Mong) और यूएन लांग (Yuen Long) में काफी बड़ी संख्या में गरीब SAs थे।

ES.37 समाज की मुख्यधारा में EMs के एकीकरण के लिए भाषा और संचार योग्यताएं बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इस संबंध में यह रिपोर्ट प्रमुख भाषा विशेषताओं और समग्र SA जनसंख्या और उनकी गरीब जनसंख्या की योग्यताओं के लिए 2016 उप-जनगणना द्वारा जनसंख्या में भाषाई योग्यताओं से संबंधित विस्तृत आंकड़ों पर बहुत अधिक निर्भर रही है।

ES.38 **निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि गरीब** SAs **के केवल छोटे से हिस्से द्वारा अपनी आम भाषा के रूप में चीनी**[xv] **या अंग्रेजी को अपनाया गया है, जबकि उनमें से कुछ न तो चीनी और न ही अंग्रेजी बोल/पढ़/लिख सकते थे।गरीब** SAs **अंग्रेजी की तुलना में चीनी भाषा में कम कुशल थे। हालांकि, बच्चे दो भाषाओं, विशेष रूप से चीनी के संदर्भ में अपने वयस्कों की तुलना में कहीं अधिक कुशल थे। विश्लेषण से यह भी पता लगता है कि** SA **में कार्यशील गरीब में से केवल अल्प संख्यक समूह ही या तो चीनी अथवा अंग्रेजी बोलने, पढ़ने और लिखने में समर्थ थे, लेकिन, आर्थिक रूप से निष्क्रिय गैर-स्कूल- भागीदारी करने वाले व्यक्तियों का तदनुरूपी अनुपात उल्लेखनीय रूप से उच्चतर था। इससे यह पता चलता है कि अन्य कारकों के साथ-साथ भाषाई योग्यताओं का रोजगार प्राप्त करने पर संभवत: प्रभाव हो सकता है।**

[xv] चीनी में केन्टोनीज़, पुटोनघोयूआ और अन्य चीनी बोलियां (जैसे हक्का और शंघाईनीज़) शामिल हैं।

प्रमुख अवलोकन

ES.39 इस रिपोर्ट में सबसे पहले 2016 जनसंख्या उप-जनगणना के आधार पर हांगकांग में अग्रणी EM समूहों के जनसांख्यकीय और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं का विश्लेषण किया गया है, और फिर EMs की नवीनतम गरीबी से संबंधित स्थिति की संख्या का निर्धारण करने और विश्लेषण करने के लिए जनसंख्या उप-जनगणना डेटा पर गरीबी रेखा विश्लेषणात्मक ______________________ फ्रेमवर्क को लागू किया गया है। इस रिपोर्ट में विश्लेषणों का समेकन निम्नानुसार सात महत्वपूर्ण (प्रमुख) अवलोकनों के साथ प्रस्तुत किया गया है:

ES.40 **अवलोकन 1: EM समूहों द्वारा सामना किया जा रहा गरीबी संबंधी जोखिम स्पष्ट रूप से भिन्न भिन्न है, जिसमें SA द्वारा अभी भी गंभीर जोखिम का सामना किया जा रहा है:**

- सभी EMs: गरीब परिवारों की संख्या, गरीब जनसंख्या का आकार और 2016 में नीति हस्तक्षेपसे पहले और बाद में गरीबी दर निम्नलिखित थी:

  - नीति हस्तक्षेप से पहले: 22,400 परिवार, 49,400 व्यक्ति और19.4%;
  - नीति हस्तक्षेप के बाद: 19,500 परिवार, 44,700 व्यक्ति और 17.6%;
  - नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त + गैर-पुनरावृत्त नकद):18,200 परिवार, 41,100 व्यक्ति और 16.1%; तथा
  - नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त + वस्तु के रूप में):16,500 परिवार, 36,800 व्यक्ति और 14.5%।

  सभी अग्रणी EM समूहों में गरीबी की स्थिति स्पष्ट रूप से भिन्न-भिन्न थी, जिसमें SA समूह अधिक गंभीर गरीबी में थे: गरीब EM जनसंख्या में से 40% से अधिक SAs थे, जिनकी गरीबी दर विभिन्न जातीय समूहों में सापेक्षिक रूप से उच्च थी।

- SAs: गरीब परिवारों की संख्या, गरीब जनसंख्या का आकार और 2016 में नीति हस्तक्षेपसे पहले और बाद में गरीबी दर निम्नलिखित थी:

  - नीति हस्तक्षेप से पहले: 5000 परिवार, 20000 व्यक्ति और 25.7%;
  - नीति हस्तक्षेप के बाद: 4400 परिवार, 17900 व्यक्ति और 23.0%;
  - नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त + गैर-पुनरावृत्त नकद): 4100 परिवार, 16300 व्यक्ति और 20.9%; और
  - नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त + वस्तु के रूप में): 3700 परिवार, 14000 व्यक्ति और 18.0%।

  नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त नकद), पाकिस्तानी गरीबी जनसंख्या में लगभग आधे (8600 व्यक्ति) थे और उनकी गरीबी दर 48.6% थी, जो कि सभी SA समूहों में उच्चतम थी।

ES.41 अवलोकन 2: समग्र गरीबी की स्थिति की तुलना में, EMs की गरीबी की स्थिति द्वारा वर्णित कार्यशील गरीबी में, उनकी गरीबी दर में बढ़ोतरी को मौट तौर पर कार्यशील गरीब परिवारों पर आरोपित किया जा सकता था

- हांगकांग में समग्र गरीबी की स्थिति से विस्तृत रूप से भिन्न, EMs द्वारा मौटे तौर पर रोजगार से आत्म निर्भरता प्राप्त की गई और अधिकांश जातीय समूहों की गरीब जनसंख्या आमतौर पर कार्यशील परिवारों (64.7%) में रहती थी, जो SAs के मामले में अधिक स्पष्ट था (77.4%).

- 2011 से 2016 के बीच में, नीति हस्तक्षेप से पहले व बाद में EM समूहों में गरीबी की दरें और गरीब जनसंख्या में आमतौर पर वृद्धि देखी गई थी। गरीब जनसंख्या में परिवर्तनों के विश्लेषण से यह पता लगता है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से कार्यशील परिवारों में गरीब जनसंख्या के आकार में बढ़ोतरी के कारण थी।

- गरीबी दर द्वारा अधिक गंभीर कार्यशील गरीबी की स्थिति को प्रदर्शित किया गया: 2016 में नीति हस्तक्षेप के बाद (पुनरावृत्त नकद) SA कार्यशील परिवारों की गरीबी दर 19.0% थी, जबकि सभी EM कार्यकारी परिवारों की गरीबी दर 13.0% थी, दोनों ही 8.0% की समग्र जनसंख्या की गरीबी दर से उच्चतर दरें थीं।

ES.42 अवलोकन 3: कार्यरत लोगों में निम्न शिक्षा प्राप्ति और कौशल स्तर के कारण निम्न रोजगार आय कार्यशील गरीबी के मुख्य कारण थे। आमतौर पर बड़े परिवार आकार के साथ, इस प्रकार के कार्यशील व्यक्तियों को अकेले ही परिवार के बोझ को वहन करना पड़ा था, जिसके कारण इनके लिए गरीबी से बाहर निकलना और अधिक कठिन हो गया था, हालांकि वे कार्यशील परिवार में थे।

- यह चिंता का विषय है कि EMs अधिक कठिन कार्यकारी गरीबी के अधीन थे। जैसाकि विश्लेषण से पता लगता है, यह उनकी निम्न रोजगार आय के कारण हो सकता है, और निम्न रोजगार आय का कारण सापेक्षिक रूप से उनका कम शैक्षणिक स्तर और निम्न कौशल स्तर व साथ ही कुछ जातीय समूहों में (जैसे कि भारतीय) कार्यशील गरीबों का हांगकांग में अल्प अवधि का निवास हो सकता है। इसके अलावा, अंश-कालिक/अपर्याप्त रोजगार प्राप्त व्यक्तियों के उच्चतर अनुपात के कारण पूर्वी एशियाई रोजगार प्राप्त व्यक्तियों की सीमित रोजगार आय भी इसमें एक महत्वपूर्ण कारक है।

- इसके अलावा, विभिन्न जातीय परिवार समूहों में कार्यशील गरीबों को आमतौर पर अकेले ही परिवार के बोझ को वहन करना पड़ता है। ऐसा विशेष रूप से SA समूहों के लिए था, जिसमें उनके कार्यशील परिवारों में (नीति हस्तक्षेप से पूर्व) औसतन 4.2 व्यक्तियों के आकार के परिवार की सहायता के लिए केवल 1.2 कार्यशील सदस्य थे। उनमें से पाकिस्तानी परिवार सबसे गंभीर स्थिति में थे। इसलिए कार्यशील सदस्यों वाले आत्म-निर्भर परिवारों के लिए भी गरीबी से बाहर

निकलना अपेक्षाकृत कठिन रहा, जिसके कारण Ems के बीच कार्यकारी गरीबी की व्यापकता देखी गई।

ES.43 अवलोकन 4: बेरोजगारी के कारण कतिपय जातीय समूहों में गरीबी रेखा से नीचे रहने की उच्चतर व्याप्ति थी

- कुछ जातीय समूहों की गरीब जनसंख्या में, उनकी बेरोजगारी की दरें उच्च थीं। उदाहरण के लिए, (नीति हस्तक्षेप से पहले) गरीब पाकिस्तानियों और नेपालियों (क्रमश: 18.7% और 17.9%) की दरें, समग्र जनसंख्या (16.6) से जरा ही अधिक थीं।

यह अप्रत्यक्ष रूप से इन जातीय समूहों की बेरोजगारी की वजह से गरीबी रेखा से नीचे जाने की उच्चतर व्याप्ति को दर्शाता है।

ES.44 **अवलोकन 5: कार्यकारी गरीबी के अलावा, गरीब वृद्धों (विशेष रूप से दक्षिणपूर्वी एशियाई) के उच्चतर हिस्से को हाल के वर्षों के दौरान देखा गया, हालांकि EM वयोवृद्धों की समग्र गरीबी अभी भी हांगकांग की पूरी जनसंख्या की तुलना में निम्न थी**

- हालांकि EMs की कार्यशील गरीबी एक उल्लेखनीय गरीबी विशेषता थी, 2011 की तुलना में विभिन्न जातीय समूहों की गरीब आबादी में 2016 में गरीब EM वयोवृद्ध (विशेष रूप से दक्षिणपूर्वी एशियाई वयोवृद्ध जैसे थाई और इंडोनेशियाई वयोवृद्ध) का उच्चतम हिस्सा देखा गया था।
- क्योंकि वयोवृद्ध व्यक्ति अधिकांश रूप से आर्थिक रूप से निष्क्रिय थे, किसी जातीय समूह में वयोवृद्धों का उच्चतर हिस्सा गरीबी दर को बढ़ाने में संभवत: योगदानकर्ता हो सकता है। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि नीति हस्तक्षेप (पुनरावृत्त नकद) के बाद SA और सभी EM वयोवृद्धों की गरीबी दरें (क्रमश: 23.1% और 25.9%) समग्र जनसंख्या (31.6%) की तुलना में निम्न थीं।

ES.45 **अवलोकन 6: सरकार द्वारा किए जाने वाले लाभ अंतरणों से EM की गरीबी की स्थिति सुधार करने में निरन्तर सहायता प्राप्त हुई, जिससे उन्हें वित्तीय भार से मुक्ति मिली, हालांकि वे अधिकांश तौर पर आत्म-निर्भर थे और सामाजिक लाभों पर कम निर्भर थे (जैसे CSSA)**

- EMs के बीच उनमें कार्यकारी परिवारों की उच्चतर व्याप्ति के साथ, इन परिवारों द्वारा मौटे तौर पर आत्म निर्भरता को रोजगार के माध्यम से प्राप्त किया गया और वे नकद लाभों के रूप में सहायता पर कम आश्रित थे। आमतौर पर, 2011 तथा 2016 के बीच अग्रणी जातीय समूहों में बड़े नकद लाभों के गैर-प्राप्तकर्ताओं के हिस्से में स्पष्ट वृद्धि हुई।
- फिर भी, 2016 में, नीति हस्तक्षेप (पुनरावृत्त नकद) के बाद निर्धनता से संबंधित विभिन्न सूचकांकों द्वारा नीति हस्तक्षेप से पहले की तुलना में बेहतर परिणाम दर्शाए गए हैं। गैर-पुनरावृत्त नकदी और वस्तु के रूप में लाभों (मुख्य रूप से PRH) के प्रावधान द्वारा निर्धनता से संबंधित सूचकांकों में और अधिक सुधार करने में योगदान दिया और EMs को उनके वित्तीय भार से राहत दिलाने में मदद की थी। बड़े पुनरावृत्त नकद लाभों में, गरीबी के उन्मूलन की दिशा में CSSA सर्वाधिक प्रभावी रहा, जबकि SSA और LIFAने भी सकारात्मक परिणाम दिखाए। इसके अलावा, गैर-पुनरावृत्त नकद लाभ और PRH भी, EMs की गरीबी की स्थिति के उन्मूलन में बहुत प्रभावी थे।

ES.46 **अवलोकन 7: SAs की निम्न शैक्षणिक उपलब्धता के चलते, कुछ SA समूहों में युवा लोगों को सेकण्डरी-उपरांत कार्यक्रमों में भर्ती करने का अनुपात बहुत कम था। निम्न भाषाई योग्यताएं एक ऐसा कारक था जिसके कारण उनको रोज़गार प्राप्त होना और समुदाय एकीकरण बाधित हुआ था।**

- **कुछ** SAs **तथा दक्षिणपूर्वी एशियाई**

जातीय समूहों में सेकण्डरी-उपरांत शिक्षा प्राप्त करना निम्न था। इसके अलावा, 2011 **तथा** 2016 **के बीच** युवा EMs की स्कूल उपस्थिति दर में आमतौर पर सुधार तो देखा गया था, लेकिन युवा नेपालियों के लिए तदनुरूपी दर निम्न स्तर पर ही बनी हुई थी। इससे यह परिलक्षित होता है कि कुछ युवाओं नेSAs द्वारा सेकण्डरी उपरांत शिक्षा प्राप्ति के संबंध में अभी भी बदतर प्रदर्शन किया गया है और स्पष्ट रूप से उनमें से अधिकांश युवाओं द्वारा कार्यबल में शामिल होने के लिए समय से पहले की स्कूल को छोड़ दिया था।

- भाषाई योग्यताओं के संबंध में, SAs आमतौर पर चीनी भाषा की तुलना में अंग्रेजी में अधिक कुशल थे, जबकि बातचीत करने की तुलना में चीनी पढ़ने और लिखने की उनकी योग्यताएं निम्न थीं। SA बच्चे अंग्रेजी और चीनी भाषा के संबंध में वयस्कों की तुलना में अधिक निपुण थे। जैसा कि आंकड़ों से स्पष्ट होता है, आर्थिक रूप से निष्क्रिय स्कूल न जाने वाले SAs, आमतौर पर नियोजित SAs की तुलना में चीनी और अंग्रेजी में कम निपुण थे। इससे यह पता चलता है कि अन्य कारकों के साथ-साथ, चीनी और अंग्रेजी में निपुणता का उनकी रोजगार क्षमता पर संभावित रूप से प्रभाव हो सकता है।

नीति संबंधित निहितार्थ

ES.47 सरकार द्वारा हांगकांग में गरीबी के मुद्दे और इसके उन्मूलन को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है, खास तौर पर EMs सहित वंचित वर्गों की आवश्यकताओं को किस प्रकार बेहतर रूप से पूरा किया जाए। हांगकांग के जीवन में ढलने में EMs की सहायता करने के लिए, सरकार आगे भी ब्यूरो और विभागों के माध्यम से सहायता उपाय प्रदान करना जारी रखेगी, ताकि EMs की विभिन्न आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त लक्षित सहायता कदम उठाए जा सकें।

ES.48 **रोजगार और प्रशिक्षण सहायता:** रोजगार गरीबी के जोखिम को कम करने में मदद करता है, जबकि आर्थिक विकास, रोजगार सृजन तथा कौशन उन्नयन स्रोत पर ही गरीबी के उन्मूलन में सहायक सिद्ध होते हैं। इस रिपोर्ट के निष्कर्ष आगे यह दर्शाते हैं कि नए EM कामगारों की संख्या परिलक्षित थी, जबकि कुछ जातीय समूहों की LFPRs सापेक्षिक रूप से निम्न बनी हुई हैं और कुछ द्वारा बेरोज़गारी की अधिक गंभीर स्थिति का सामना किया गया। दूसरी ओर, कुछ EM व्यक्तियों की अपर्याप्त भाषाई योग्यताएं उनकी रोजगार क्षमता को संभवत: प्रभावित कर सकती हैं। ये अवलोकन बताते हैं कि उनके गरीबी जोखिम को उनकी भाषा दक्षता व LFPR में वृद्धि कर घटाया जा सकता है।

ES.49 श्रम विभाग (LD), रोज़गार पुन:प्रशिक्षण बोर्ड और व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् व कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री काउंसिल द्वारा EMs के रोज़गार की सहायता के लिए सेवाएं प्रदान करना जारी रखेंगे, जिनमें कौशल संवर्धन और आय विकास को सुगम बनाने के लिए कार्य से संबंधित उचित प्रशिक्षण भी शामिल होंगे।

ES.50 **शिक्षा सहायता: अंतर-पीढ़ी गरीबी के उन्मूलन में शिक्षा महत्वपूर्ण है, जब कि चीनी भाषा में निपुणता समुदाय के साथ EMs के एकीकरण और सेकण्डरी-उपरांत कार्यक्रमों में दाखिले के लिए महत्वपूर्ण है। निष्कर्षों से यह पता लगा है कि कुछ SAs और दक्षिण पूर्वी एशियाई लोगों के लिए सेकण्डरी-उपरांत शिक्षा को प्राप्त करने का अंश उच्चन हीं था। इसके अलावा, EM युवाओं के लिए आमतौर पर उच्चतर स्कूल उपस्थिति दरों को देखा गया, लेकिन कुछ SA युवाओं (यानि नेपाली युवा) के बीच उच्चतर शिक्षा प्राप्ति के संदर्भ में अभी भी कम वांछनीय स्थिति व्याप्त थी।**

ES.51 महत्व के विषय के रूप में, अपेक्षाकृत युवा EM के चलते और खास तौर पर SA जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए, हांगकांग की इस नई पीढ़ी के लिए अधिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए ताकि हमारी समग्र भावी जनशक्ति की गुणवत्ता का उन्नयन किया जा सके। शिक्षा ब्यूरो द्वारा गैर-चीनी बोलने वाले छात्रों और उनके माता-पिता के लिए सहायता में संवर्धन जारी रखा जाएगा।

ES.52 **कल्याण सेवाएं:** जहां तक कल्याण सेवाओं का संबंध है, हांगकांग के सभी जरूरतमंद निवासी, फिर चाहे उनकी राष्ट्रीयता या जाति कुछ भी क्यों न हो, उन्हें समान सामाजिक कल्याण सेवाओं तक पहुंच प्राप्त है, बशर्ते कि वे पात्रता मानदण्डों को पूरा करते हैं। श्रम कल्याण ब्यूरो द्वारा विभिन्न सेवाओं के माध्यम से **EMs** की सहायता जारी रखी जाएगी, जिनमें परिवार और बाल कल्याण सेवाएं, युवा लोगों के लिए सेवाएं, चिकित्सा सामाजिक सेवाएं, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाएं आदि शामिल हैं ताकि उन्हें स्थानीय समुदाय में एकीकृत किया ज सके, और इस प्रकार से उनकी समायोजन की समस्याओं को दूर करने में सहायता की जा सके और उनके सामाजिक कार्यकरण में संवर्धन किया जा सके और आत्म निर्भरता की सक्षमता को बढ़ाया जा सके।

ES.53 निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि EMs द्वारा मौटे तौर पर रोजगार के माध्यम से आत्म निर्भरता हासिल की गई और वे नकद लाभों के रूप में सहायता पर कम निर्भर थे। इसके अलावा, समग्र निर्धन आबादी की तुलना में, प्रमुख जातीय समूहों के निर्धन EMs के बीच बड़े नकदी लाभों की अधिक गैर-प्राप्ति देखी गई और हाल के वर्षों में इन अनुपातों में बढ़ोतरी ही हुई है।

ES.54 SWD, कार्यशील परिवार के कार्यकारी परिवार भत्ता कार्यालय तथा छात्र वित्तीय सहायता एजेंसी तथा LDआगे भी विभिन्न सहायता उपायों (LIFA स्कीम तथा कार्य इंसेंटिव परिवहन अनुदान योजना) को बढ़ावा देना जारी रखेंगे ताकि इस स्कीमों के बारे में EMs की जागरूकता और समझ-बूझ को बढ़ाया जा सके, जिसका उद्देश्य जरूरत पड़ने पर उनके आवेदन सुपुर्दगी को सुगम बनाना है।

ES.55 **समुदाय भागीदारी और एकीकरण:** EMs हांगकांग में बस चुके हैं और उनमें से अनेक लोगों का जन्म और पालन-पोषण स्थानीय रूप से हुआ है। वे पहले ही हांगकांग के समाज का हिस्सा बन चुके हैं। यह उनके लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि वे समुदाय में एकीकृत हों और प्रसन्नतापूर्वक रहें और काम करें। सरकार EMs के बीच सामुदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना जारी रखेगी और उनके द्वारा सार्वजनिक सेवाओं के इस्तेमाल में उनकी सहायता करना जारी रखेगी। होम अफेयर्स विभाग द्वारा EMs के बीच (ख़ासकर कर SAs **के लिए**) प्रचार- प्रसार को बढ़ाया जाएगा ताकि अधिक प्रभावी और उपयोगी सहायता नीतियों को लागू किया जा सके।

ES.56 **गरीबी की स्थिति की निरन्तर निगरानी:** SA जनसंख्या में तीव्र विकास और उनके उच्चतर गरीबी जोखिम के चलते, सरकार को उनकी गरीबी की स्थिति की निरन्तर आधार पर निगरानी करनी चाहिए अर्थात जनसंख्या जनगणनाओं/ उप-जनगणनाओं के माध्यम से ऐसा किया जाना चाहिए। वे EMs (विशेष रूप से SAs) की गरीबी की स्थिति निगरानी में सांख्यिकीय अपडेट्स प्रदान कर सकते हैं।